



Mr.l



Ms.t

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120163001

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 26-27/08/1999 : _____ जन्म तिथि _____ : 16-17/12/2005
 गुरु-शुक्रवार : _____ दिन _____ : शुक्र-शनिवार
 घंटे 02:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 07:10:00 घंटे
 घटी 51:28:17 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 59:47:41 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Bilaspur : _____ स्थान _____ : Bilaspur
 31:18:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 31:18:00 उत्तर
 76:48:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:48:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:22:48 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:22:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:54:41 : _____ सूर्योदय _____ : 07:14:55
 18:54:14 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:22:03
 23:50:56 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:56:22
 मिथुन : _____ लग्न _____ : वृश्चिक
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 कुम्भ : _____ राशि _____ : मिथुन
 शनि : _____ राशि-स्वामी _____ : बुध
 शतभिषा : _____ नक्षत्र _____ : आर्द्रा
 राहु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 1 : _____ चरण _____ : 4
 अतिगण्ड : _____ योग _____ : शुक्ल
 बव : _____ करण _____ : तैतिल
 गो-गोपाल : _____ जन्म नामाक्षर _____ : छ-छवि
 कन्या : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : धनु
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 अश्व : _____ योनि _____ : श्वान
 राक्षस : _____ गण _____ : मनुष्य
 आद्य : _____ नाड़ी _____ : आद्य
 मार्जार : _____ वर्ग _____ : सिंह



ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 4मा 1दि
गुरु

28/12/2015

28/12/2031

गुरु	14/02/2018
शनि	27/08/2020
बुध	03/12/2022
केतु	09/11/2023
शुक्र	10/07/2026
सूर्य	28/04/2027
चन्द्र	27/08/2028
मंगल	03/08/2029
राहु	28/12/2031

अंश

25:18:19
09:19:49
07:53:54
01:53:26
26:58:44
11:07:58
29:22:20
23:19:23
19:06:14
19:06:14
20:13:26
08:19:29
13:54:20

राशि

मिथु
सिंह
कुंभ
वृश्चि
कर्क
मेष व
कर्क व
मेष
कर्क व
मक व
मक व
मक व
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

वृश्चि
धनु
मिथु
मेष
वृश्चि
तुला
मक
कर्क
मीन
कन्या
कुंभ
मक
धनु

अंश

29:07:07
01:16:19
17:20:50
14:36:13
10:50:39
16:46:34
06:28:59
16:48:37
16:30:17
16:30:17
13:18:42
21:35:44
00:23:45

विंशोत्तरी

राहु 3वर्ष 6मा 29दि
शनि

17/07/2025

17/07/2044

शनि	20/07/2028
बुध	30/03/2031
केतु	08/05/2032
शुक्र	08/07/2035
सूर्य	19/06/2036
चन्द्र	18/01/2038
मंगल	27/02/2039
राहु	03/01/2042
गुरु	17/07/2044

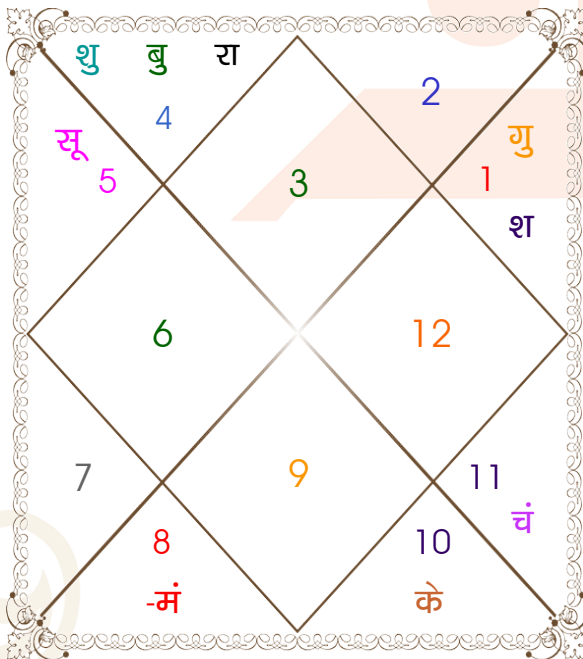
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

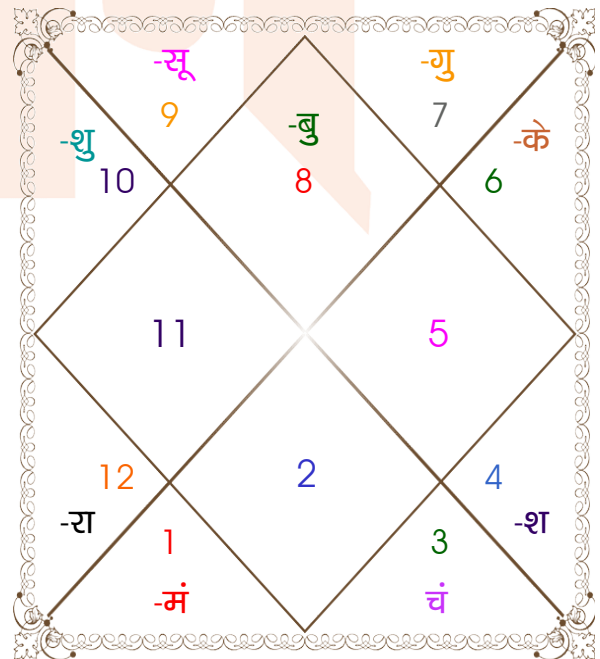
राहु : स्पष्ट

23:50:56 चित्रपक्षीय अयनांश 23:56:22

लग्न-चलित



लग्न-चलित



FUTUREPOINT

Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

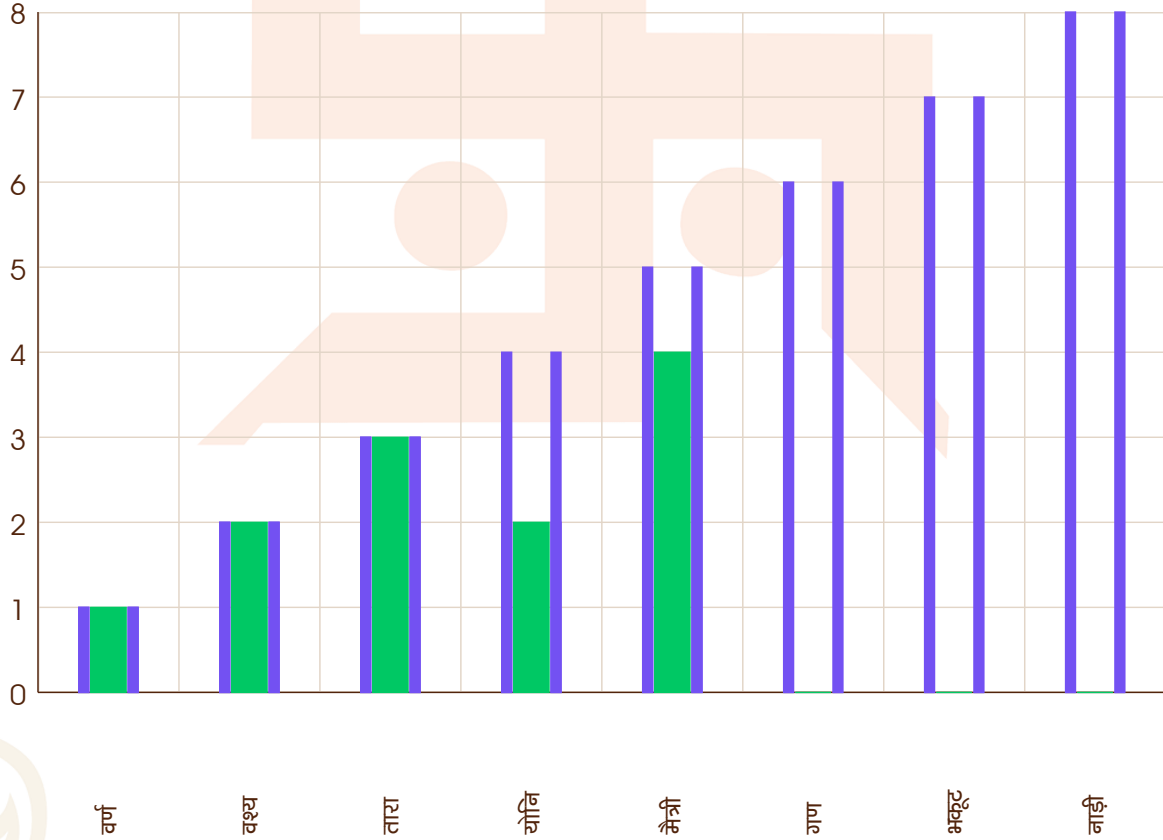
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

12.00

कुल : 12 / 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.t का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr.l का वर्ग मार्जार है तथा Ms.t का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.l और Ms.t का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.l मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.t मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mr.l तथा Ms.t में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.I का वर्ण शूद्र है तथा Ms.t का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr.I का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms.t का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.I एवं Ms.t दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसन्द/नापसन्द तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.I की तारा जन्म तथा Ms.t की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr.I की योनि अश्व है तथा Ms.t की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.l का राशि स्वामी Ms.t के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms.t का राशि स्वामी Mr.l के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr.l का गण राक्षस है तथा Ms.t का गण मनुष्य है। अर्थात् Ms.t का गण Mr.l के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr.l से Ms.t की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Ms.t से Mr.l की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Ms.t को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Mr.l की नाड़ी आद्य है तथा Ms.t की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.l एवं Ms.t दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.l की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.t की राशि भी वायु तत्व युक्त मिथुन है। अतः तत्त्वों की समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी इससे दाम्पत्य में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.l की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.t की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से Mr.l और Ms.t के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण आत्मीयता रहेगी फलतः सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। Mr.l और Ms.t दो सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में शांति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी।

Mr.l और Ms.t की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में विरोध तथा मतभेद उत्पन्न होंगे। साथ ही अहंकार की प्रवृत्ति के कारण Mr.l और Ms.t एक दूसरे के अस्तित्व को प्रेम पूर्वक स्वीकार करने में असमर्थ होंगे जिससे विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी। अतः यदि Mr.l और Ms.t बुद्धिमता एवं सामंजस्य से कार्य लें तो अशुभ प्रभावों में कमी हो सकती है।

Mr.l और Ms.t दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरुचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं में भी समानता रहेगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी।

Mr.l और Ms.t दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को परिश्रम से करने में समर्थ होंगे जिससे कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा आपस में सहयोग का भाव रहेगा।

धन

Mr.l और Ms.t का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr.l और Ms.t सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr.l को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.l और Ms.t दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीड़ित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से Mr.l और Ms.t शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो Ms.t के प्रभाव से Mr.l का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव Mr.l की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.l और Ms.t का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.t के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.t को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुंदर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.l और Ms.t बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.l और Ms.t का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.t के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.t धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति

प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.t के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.t का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.t से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.l तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.l के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Mr.l को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Mr.l के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr.l के प्रति अनुकूल ही रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

